एम.ए.एच.

एम.ए. (इतिहास)
प्रथम वर्ष

सत्रीय कार्य
2019-20
एम.ए. इतिहास प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए
जुलाई 2019 और जनवरी 2020 सत्रों के लिए

एम.एच.आई.-01 : प्राचीन और मध्यकालीन समाज
एम.एच.आई.-02 : आधुनिक विश्व
एम.एच.आई.-04 : भारत में राजनीतिक संरचनाएं
एम.एच.आई.-05 : भारतीय अर्थव्यवस्था का इतिहास

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110 068

सत्रीय कार्य
2019-2020

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपने शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय कार्य जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीयकार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीय कार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रींय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। एम.ए. प्रथम वर्ष में आपको कुल मिलाकर 4 सत्रीय कार्य करने हैं। सभी सत्रीयकार्यों की जमा करने की अंतिम तारीख में आपको काफी समय दिया गया है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ-साथ इसे बारी बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामर्शदाता की टिप्पणी और मूंल्याकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रीय कार्य पूरे कर सकते हैं। सभी सत्रीयकार्यों को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योकि एक ही साथ सारे सत्रीयकार्यों को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2019 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**31 मार्च 2020**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2020 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**30 सितम्बर 2020**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास

सवालों का जवाब देने से पहले नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िएः

सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगेः

1) प्रत्येक विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित होंगे।

2) प्रत्येक लघु श्रेणी प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगाः

क) **नियोजन :** सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें और इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

ख) **चयन :** अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से देने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें किः

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संबंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ-साथ आपके उत्तर भी सही हों
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

ग) **प्रस्तुति :** जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्य जमा करने से पहले इसे साफ-साफ लिख लें। जिन बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

घ) **व्याख्या :** इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद ब खुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ-साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
एम.एच.आई.-01
प्राचीन और मध्यकालीन समाज

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-01
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-01/
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2019-20
पूर्णांक : 100

नोट : यह सत्रीय कार्य दो भागों में बंटा है। आपको हर भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) अवश्य देने हैं। कुल मिलाकर आपको पांच प्रश्नों के उत्तर देने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. पुरापाषाण काल के दौरान औज़ारों और इनके तकनीकी विकास पर नोट लिखिये। पुरापाषाण संस्कृति में किस किस्म की कला देखने को मिलती है? **20**

2. काँस्य युगीन समाजों की सामाजिक संरचना का विस्तृत ब्यौरा दीजिए। **20**

3. प्राचीन यूनान में अभिजात वर्ग और कृषक वर्ग के मध्य संघर्ष की प्रकृति का वर्णन कीजिए। यह संघर्ष लोकतंत्र की स्थापना में किस प्रकार कामयाब हुआ? **20**

4. खानाबदोश साम्राज्य से आप क्या समझते हैं? अपने अध्ययन की अवधि के दौरान खानाबदोशों के प्रवास के पैटर्न की चर्चा कीजिए। **20**

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग **250** शब्दों में (प्रत्येक) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : **10+10**
   i) नवपाषाण समाज की आस्था-पद्धति
   ii) शांग सभ्यता की शवाधान विधियां
   iii) कोमिशिया सेंचुरिआटा
   iv) इंका और एज़्टेकों का धार्मिक जीवन

भाग-ख

6. सामंतवाद के पतन की प्रक्रिया का विश्लेषण कीजिए। क्या नगरीय केंद्रों के विकास ने सामंतवाद के पतन में योगदान दिया? **20**

7. पूर्व-आधुनिक चीन की धार्मिक परंपरा पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

8. 15वीं शताब्दी में भारतीय व्यापारियों के विदेशों में व्यापार पर चर्चा कीजिए। भारतीय विदेशी व्यापार पर पुर्तगालियों का क्या प्रभाव पड़ा? **20**

9. मध्यकाल में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र के विकास का संक्षेप में ब्यौरा दीजिए। **20**

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग **250** शब्दों में (प्रत्येक) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : **10+10**
    i) ऐनाबेपटिस्ट (Anabaptists)
    ii) अरब में इस्लाम का उदय
    iii) अरब और इस्लामिक जगत के शहर
    iv) मध्यकालीन यूरोप में परिवार

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
एम.एच.आई.-02
आधुनिक विश्व

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-02
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-02/
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2019-20
पूर्णांक : 100

नोट : यह सत्रीय कार्य दो भागों में बंटा है। आपको हर भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) अवश्य देने हैं। कुल मिलाकर आपको पांच प्रश्नों के उत्तर देने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. औद्योगिकीकरण के पूँजीवादी और समाजवादी पैटर्नों की चर्चा और अंतर स्पष्ट कीजिए। **20**

2. यूरोप की सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था को प्रबोधन (Enlightenment) ने कैसे प्रभावित किया? **20**

3. आधुनिक जगत में नौकरशाही की प्रक्रिया का विश्लेषण कीजिए। **20**

4. आधुनिक समाज को परिभाषित कीजिए। सामाजिक संरचना के नवीन परिवर्तनों का वर्णन कीजिए। **20**

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग **250** शब्दों में (प्रत्येक) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : **10+10**
   (i) मानवतावाद
   (ii) राज्य का उदारवादी दृष्टिकोण
   (iii) राष्ट्रवाद के सिद्धांत
   (iv) नई आर्थिक नीति

भाग-ख

6. आधुनिक जगत में फ्राँसीसी क्रांति और रूसी क्रांति की राजनीतिक विरासत की चर्चा कीजिए। **20**

7. क्रांतियाँ, ज्ञान के क्षेत्र में आधुनिक जगत को किन तरीकों से प्रभावित करती हैं? **20**

8. उपभोक्तावादी आंदोलन, जिस प्रकार यह यूरोप में विकसित हुआ, पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

9. शीत युद्ध का अर्थ तथा आधुनिक राजनीति पर इसके प्रभाव की व्याख्या कीजिए। **20**

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग **250** शब्दों में (प्रत्येक) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : **10+10**
    (i) जनसांख्यिकीय संक्रमण सिद्धांत
    (ii) अल्पविकास का अर्थ
    (iii) आधुनिक औषधियों का विकास
    (iv) वि-उपनिवेशीकरण

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
एम.एच.आई.-04
भारत में राजनीतिक संरचनाएं

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-04
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-04/
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2019-20
पूर्णांक : 100

नोट : यह सत्रीय कार्य दो भागों में बंटा है। आपको हर भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) अवश्य देने हैं। कुल मिलाकर आपको पांच प्रश्नों के उत्तर देने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. बौद्धकाल में प्रादेशिक राज्यों से साम्राज्य में संक्रमण की प्रक्रिया का संक्षेप में विश्लेषण कीजिए। **20**

2. प्रायद्वीपीय भारत में 8वीं से 12वीं तक के स्थानीय स्तर के राजनीतिक संगठनों की प्रकृति का वर्णन कीजिए। **20**

3. मुगल साम्राज्य के तहत राज्य की प्रकृति की व्याख्या करने वाले विभिन्न दृष्टिकोणों की चर्चा कीजिए। **20**

4. औपनिवेशिक राज्य और इसकी राजनीतिक अर्थव्यवस्था की प्रकृति पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

5. निम्नलिखित पर लगभग **250** शब्दों में (प्रत्येक) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : **10+10**

   (क) दिल्ली सल्तनत के लिखित स्रोत

   (ख) देशी रियासतों की प्रशासनिक संरचना

भाग-ख

6. पल्लवों के शासन की प्रशासनिक और संस्थागत संरचनाओं का वर्णन कीजिए। **20**

7. मौर्य-प्रशासन की चर्चा कीजिए। **20**

8. विजयनगर साम्राज्य की नायक और आयंगर व्यवस्था का संक्षेप में ब्यौरा दीजिए। **20**

9. औपनिवेशिक एवं राष्ट्रवादी विरासत ने किस प्रकार उत्तर-औपनिवेशिक भारतीय राज्य व्यवस्था के निर्माण को प्रभावित किया? **20**

10. निम्नलिखित पर लगभग **250** शब्दों में (प्रत्येक) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : **10+10**

    (क) प्राचीन भारत में विधि का वर्गीकरण

    (ख) मुगलों के अधीन मनसबदारी प्रणाली

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
एम.एच.आई.-05
भारतीय अर्थव्यवस्था का इतिहास

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-05
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-05/
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2019-20
पूर्णांक : 100

नोट : यह सत्रीय कार्य दो भागों में बंटा है। आपको हर भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) अवश्य देने हैं। कुल मिलाकर आपको पांच प्रश्नों के उत्तर देने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. उन कारणों की चर्चा कीजिए जो भारतीय उपमहाद्वीय के कृषीय परिवेश को निर्धारित करे हैं। **20**

2. हड़प्पाई नगरों की प्रमुख विशेषताओं की चर्चा कीजिए। **20**

3. भारतीय सामंतवाद संबंधी विवाद पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

4. *परिहारों* के व्याख्यायित कीजिए। *ब्रह्मदेय* अनुदानों के संदर्भ में *परिहारों* का विश्लेषण कीजिए। **20**

5. **निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों में (प्रत्येक) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 10+10**
   (i) मेहरगढ़
   (ii) वैदिक साहित्य
   (iii) रोमन सिक्के और दक्षिण भारत में उनके फैलाव का पैटर्न
   (iv) मध्यकाल में वनों की कटाई

भाग-ख

6. भारत के सामुद्रिक व्यापार का ऐतिहासिक मूल्यांकन दीजिए। **20**

7. वि-औद्योगिकीकरण पर राष्ट्रवादियों के विचार की डेनियल थॉर्नर द्वारा प्रदत्त आलोचना की चर्चा कीजिए। **20**

8. भारत में कपड़ा और चमड़ा उद्योगों में 20वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में आये परिवर्तनों की चर्चा कीजिए। **20**

9. प्रथम तीन पंचवर्षीय योजनाओं में भारत के आर्थिक विकास की प्रकृति का विश्लेषण कीजिए। **20**

10. **निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों में (प्रत्येक) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 10+10**
    (i) हुंडी
    (ii) सूरत का पतन
    (iii) रैय्यतवाड़ी बंदोबस्त
    (iv) औपनिवेशिक काल में व्यवसायीकरण का प्रभाव